

**गोवा विश्वविद्यालय**  
**शणै गोंयबाब भाषा एवं साहित्य महाशाला**  
**हिंदी अध्ययन शाखा**

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: **HIN-501**

पाठ्यक्रम का शीर्षक: **मध्यकालीन काव्य : व्यावहारिक समीक्षा**

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	मध्यकालीन कवियों की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	घंटे
उद्देश्य	<ul style="list-style-type: none"><li>वर्तमान संदर्भ में भक्तिकालीन काव्य की महत्ता से परिचित कराना।</li><li>भक्तिकाल के कवियों से परिचित कराना।</li><li>भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत कराना।</li><li>भक्तिकाल की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना।</li></ul>	
पाठ्य विषय	<p>मलिक मुहम्मद जायसी, कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास, मीराबाई, बिहारी एवं घनानंद के काव्य की व्यावहारिक समीक्षा के मानदंड।</p> <p>चयनित कवि एवं कवयित्री : कविताएँ</p> <p>1. मलिक मुहम्मद जायसी निर्धारित पाठ्यपुस्तक : जायसी ग्रंथावली, संपादक - आ० रामचंद्र शुक्ल: नखशिख - खंड।</p> <p>2. कबीरदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर - सं० आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी पदसंख्या : 1, 2, 5, 12, 20, 39, 41, 77, 92, 109, 118, 130, 134, 137, 141, 162, 224, 247</p>	<p style="text-align: center;"><b>12</b></p> <p style="text-align: center;"><b>10</b></p>

	<p>3. गोस्वामी तुलसीदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस - गोस्वामी तुलसीदास रामचरितमानस : उत्तरकांड (पद संख्या 01 से 30 तक)</p>	10
	<p>4. मीराबाई - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : मीराबाई की पदावली – सं० परशुराम चतुर्वेदी : पद -</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>i. मैं तो साँवरे के रंग राची</li> <li>ii. सखी मेरी नींद नसानी हो</li> <li>iii. तनक हरि चितवौ जी मोरी ओर</li> <li>iv. हरि मेरे जीवन प्राण आधार</li> <li>v. बादल देख डरी हो स्याम</li> <li>vi. सुण लीजो बिनती मोरी</li> <li>vii. ज्या संग मेरा न्याहा लगाया</li> <li>viii. हरि तुम कायकू प्रीत लगाई</li> <li>ix. तुम बिन मेरो कौन खबर ले</li> <li>x. हरि गुन गावत नाचूँगी</li> </ol>	10
	<p>5. बिहारी - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'- दोहे संख्या : 4, 7, 10, 91, 93, 95, 96, 155, 157, 158, 163, 300, 322, 364, 499</p>	10
	<p>6. घनानंद – निर्धारित पाठ्यपुस्तक - घनानंद कवित्त (सं०) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : कवित्त संख्या – 2, 12, 15, 24, 40, 78, 87, 112, 140, 278</p>	08
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र	
संदर्भ ग्रंथ	<ol style="list-style-type: none"> <li>1) अग्रवाल, पुरुषोत्तम. कबीर: साखी और सबद. नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2016.</li> <li>2) अग्रवाल, वासुदेव शरण. पद्मावत. लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 2000.</li> <li>3) गुप्त, माताप्रसाद. तुलसी ग्रंथावली - भाग 1, 2. हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयाग, 1950.</li> </ol>	

	<p>4) गुप्त, माताप्रसाद. तुलसीदास. हिंदी परिषद प्रकाशन इलाहाबाद, 1957.</p> <p>5) तिवारी, गोपीनाथ (सं०) - तुलसीदास विभिन्न दृष्टियों का परिप्रेक्ष्य. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1973.</p> <p>6) तिवारी, डॉ० रामचंद्र. कबीर – मीमांसा. लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 1995.</p> <p>7) द्विवेदी, आ० हजारीप्रसाद. कबीर. राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली, 1995.</p> <p>8) शुक्ल, आ० रामचंद्र. त्रिवेणी. नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1983.</p> <p>9) शुक्ल, ललित. पद्मावत संदर्भ कोश. स्टैंडर्ड पब्लिशर्स इंडिया, नई दिल्ली, 1999.</p> <p>10) साही, विजयदेव नारायण. जायसी. हिंदुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद, 1993.</p> <p>11) सिंह, डॉ० वासुदेव. कबीर, साहित्य, साधना और पंथ. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1993.</p> <p>12) सिंह, डॉ० वासुदेव. मध्यकालीन काव्यसाधना. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1981.</p>	
<p><b>अधिगम परिणाम</b></p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● मध्यकालीन काव्य की महत्ता से परिचित होंगे।</li> <li>● भक्तिकाल के कवियों से परिचित होंगे।</li> <li>● भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत होंगे।</li> <li>● भक्तिकाल की प्रासंगिकता को समझ पाएँगे।</li> </ul>	